अण्डमान निकोबार द्वीप समाचार

रजि.न.34300/80 संख्या 117 श्री विजय पुरम, बुधवार, 30 अप्रैल 2025 web: www. and.nic.in 2.00 रुपए

21वीं सदी की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए देश की शिक्षा व्यवस्था को आधुनिक बना रही है सरकारः प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, 29 अप्रैल।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि 21वीं सदी की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सरकार देश की शिक्षा व्यवस्था को आधुनिक बना रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र देश के हर विद्यार्थी के लिए विश्व स्तरीय ज्ञान सुगम बन रहा है। श्री मोदी ने आज नई दिल्ली के भारत मंडपम में सरकार, शिक्षा समुदाय, उद्योग और नवोन्मेषक समुदाय के नेताओं के पहले रणनीतिक सम्मेलन युग्म को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि देश का भविष्य युवाओं पर निर्भर है। इसलिए भारत के उज्ज्वल भविष्य के लिए उन्हें तैयार करना महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री ने कहा कि नई शिक्षा नीति देश में परिवर्तन ला रही है। उन्होंने कहा कि प्रतिभा, स्वभाव और प्रौद्योगिकी की त्रिमूर्ति भारत के भविष्य को परिवर्तित करेगी।

श्री मोदी ने कहा कि भारत के विश्वविद्यालय परिसर गतिशील केन्द्रों के रूप में उभर रहे हैं। यहां युवा वर्ग अभूतपूर्व नवाचारों को आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि एक राष्ट्र, एक सब्सक्रिप्शन विश्व स्तरीय ज्ञान को हर विद्यार्थी के लिए सुगम बना रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस वर्ष के बजट में सरकार ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों –आईआईटी की क्षमता और सीटों की संख्या बढ़ाने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि आईआईटी और एम्स के सहयोग से कई मेडिटेक पाठ्यक्रमों की शुरूआत की गई है। श्री मोदी ने समय पर इस यात्रा को पूरी करने की बात कही। उन्होंने यह सुनिश्चित करने को कहा कि भारत भविष्य की हर तकनीक के लिए दुनिया में सर्वश्रेष्ठ की सूची में शामिल हो। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत के लिए एआई को उपयोगी बनाने के उद्देश्य से सरकार मेक एआई इन इंडिया के दृष्टिकोण पर कार्य कर रही है। श्री मोदी ने कहा कि भारत विकास और सूचना प्रौद्योगिकी अपनाने वाले अग्रणी देशों में शामिल है। उन्होंने कहा कि इस विकास में और तेजी लाने के लिए सरकार ने इंडिया एआई मिशन का शुभारंभ किया है।

इस सम्मेलन को संबोधित करते हुए शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान ने कहा कि 2014 से पहले देश में सिर्फ तीन क्रियाशील अनुसंधान पार्क थे। उन्होंने कहा कि 2014 के बाद 6 अतिरिक्त पार्कों की स्थापना की गई है। सरकार 13 और अनुसंधान पार्क निर्मित करने की योजना बना रही है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह ने कहा कि 21वीं सदी भारत की है। उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में श्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने नवाचार को शीर्ष वरीयता दी है।

इस सम्मेलन का उद्देश्य भारत के नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र में बड़े पैमाने पर निजी निवेश को उत्प्रेरित करना और अग्रणी तकनीक में अनुसंधान से व्यावसायीकरण पाइपलाइनों में तेजी लाना है। इसका उद्देश्य शिक्षा–उद्योग–सरकार साझेदारी को मजबूत करना और विकसित भारत@2047 की दिशा में राष्ट्रीय नवाचार को बढ़ावा देना है।

निकोबारी जनजाति की कहानियों और गीतों की क्राउडसोर्स्ड पुस्तक के लिए प्रतियोगिता

श्री विजय पुरम, 29 अप्रैल।

निकोबारी लोगों की भाषा, रीति–रिवाज़ों और पहचान को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के उद्देश्य से, कला और संस्कृति विभाग, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन जल्द ही पारंपरिक निकोबारी लोककथाओं और लोकगीतों की एक पुस्तक लेकर आएगा, जो निकोबारी समुदाय की विविध सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों को प्रदर्शित करेगी। यह जीवंत पहल निकोबार समूह के विभिन्न द्वीपों के निकोबारी समुदाय के छात्रों, स्कूली बच्चों, जनजातीय सदस्यों और सरकारी कर्मचारियों की भागीदारी चाहती है। इस उद्देश्य को क्राउडसोर्सिंग के माध्यम से प्राप्त करने के लिए, निकोबार जिले के सभी द्वीपों के छात्रों के साथ–साथ निकोबारी व्यक्तियों के लिए प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।

प्रतियोगिता दो श्रेणियों कहानियाँ और गीत में आयोजित की जाएगी। कहानियाँ श्रेणी के तहत, प्रतिभागियों को पारंपरिक लोक कथाएँ, व्यक्तिगत उपाख्यान, मिथक, किंवदंतियाँ आदि प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया जाता है। गीत श्रेणी में, प्रतिभागी लोक गीत, पारंपरिक गीत, लोरी आदि प्रस्तुत कर सकते हैं। प्रतियोगिता निकोबार जिले के सभी स्कूलों के कक्षा 9वीं से 12वीं तक के छात्रों के साथ–साथ निकोबारी जनजाति के सदस्यों, जिसमें जनजाति प्रमुख, सामुदायिक नेता, बुजुर्ग और सरकारी कर्मचारी शामिल हैं, के लिए खुली है।

प्रविष्टियाँ निकोबारी भाषा में जमा की जानी चाहिए, जिसके साथ अंग्रेजी और/या हिंदी में अनुवाद भी होना चाहिए। निकोबार जिले के उप–मंडलवार अलग–अलग प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। उपायुक्त (निकोबार जिला), कार निकोबार उप–मंडल, नानकौड़ी उप–मंडल और कैंपबेल बे उप–मंडल के लिए इन प्रतियोगिताओं का आयोजन करेंगे।

प्रत्येक श्रेणी में पहले तीन विजेताओं को नकद पुरस्कार दिए जाएंगे। प्रत्येक द्वीप से प्रत्येक श्रेणी में शीर्ष तीन प्रविष्टियों को प्रमाण पत्र और नकद पुरस्कार (क्रमशः 10,000 रूपए, 8,000 रूपए और 5,000 रूपए और 2,000 रूपए की दर से 5 सांत्वना पुरस्कार) मिलेंगे। हालांकि, सभी प्रामाणिक प्रविष्टियों को पुस्तक में शामिल किया जाएगा।

प्रतियोगिताएं 1 मई, 2025 से फिर से शुरू होंगी और प्रविष्टियाँ जमा करने की अंतिम तिथि 31 मई, 2025 है। यह गतिशील प्रतियोगिता निकोबारी समुदाय के लिए अपनी सांस्कृतिक विरासत को साझा करने और मनाने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेगी, यह सुनिश्चित करते हुए कि ये पोषित कहानियाँ और गीत भविष्य की पीढ़ियों तक पहुँचाए जाएं। ऐसी लोककथाओं और लोकगीतों वाली पुस्तक इसके बाद जारी की जाएंगी।

जिप अध्यक्ष/उपाध्यक्ष पद के लिए चुनाव 8 मई को

श्री विजय पुरम, 29 अप्रैल।

प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि वर्ष 2025–2026 के लिए अध्यक्ष/उपाध्यक्ष के कार्यालय के चुनाव 8 मई, 2025 को सुबह 10 बजे जिला परिषद, दक्षिण अण्डमान के सम्मेलन हॉल में आयोजित किए जाएंगे।

डीएवाई–एनआरएलएम द्वारा लिटिल अण्डमान सामुदायिक विकास खंड में एसएचजी मेला आयोजित

हटबे, 29 अप्रैल।

लिटिल अण्डमान के हटबे स्थित अटल पार्क में दीनदयाल अंत्योदय योजना–राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (डीएवाई–एनआरएलएम), लिटिल अण्डमान के सामुदायिक विकास खंड द्वारा तीन दिवसीय एसएचजी (स्वयं सहायता समूह) मेला सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य एसएचजी के सदस्यों को अपने हस्तनिर्मित उत्पादों का प्रदर्शन और बिक्री करने, स्थानीय उद्यमिता को बढ़ावा देने और नए व्यावसायिक उद्यमों के गठन को प्रोत्साहित करने के लिए एक मंच प्रदान करना था।

मेले का उद्घाटन मुख्य अतिथि लिटिल अण्डमान के प्रमुख श्री एस. परमानंथन द्वारा किया गया। लिटिल अण्डमान के तहसीलदार श्री अजय मंडल, हटबे पंचायत

शेष पृष्ठ 4 पर

दो दिवसीय अण्डमान तथा निकोबार सम्मेलन–एसएएनजीआईटीआई संपन्न

एसएएनजीआईटीआई एक सतत प्रक्रिया होगी और एक विशेष विषय पर केंद्रित एक दिवसीय सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे– मुख्य सचिव

श्री विजय पुरम, 29 अप्रैल।

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन द्वारा आयोजित दो दिवसीय अण्डमान तथा निकोबार सम्मेलन, एसएएनजीआईटीआई–2025 (सर्वे ऑफ अण्डमान एंड निकोबार गवर्नेन्स इनीशियेटीव्स फॉर ट्रांसफॉर्मेटीव आइलैंड्स) का आज यहां के डॉ. बी.आर. अम्बेडकर प्रौद्योगिकी संस्थान (डीब्राइट) सम्मेलन हॉल में समापन हुआ। अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के मुख्य सचिव डॉ. चंद्र भूषण कुमार (आईएएस) समापन समारोह के मुख्य अतिथि थे।

अपने संक्षिप्त संबोधन में मुख्य सचिव ने कहा कि दो दिवसीय सम्मेलन ने विभिन्न क्षेत्रों के सभी अधिकारियों/कर्मचारियों और हितधारकों को एक–दूसरे के साथ बातचीत करने और 7 व्यापक योजनाओं जैसे कि 1. पर्यटन, 2. जैव विविधता, 3. गतिशीलता, 4. ऊर्जा, 5. रणनीतिक सुरक्षा, 6. (क) जल, 6. (ख) सर्कुलर अर्थव्यवस्था, 7.(क) उत्पादन अर्थव्यवस्था–कृषि, 7. (ख) उत्पादन अर्थव्यवस्था– मत्स्य पालन में और सुधार के लिए एक रोड मैप तैयार करने का अवसर प्रदान किया। उन्होंने अधिकारियों से परियोजनाओं को सार्थक रूप से पूरा करने के लिए एक टीम के रूप में कार्य करने का आग्रह किया।

मुख्य सचिव ने आगे कहा कि एसएएनजीआईटीआई एक सतत प्रक्रिया होगी और एक विशेष विषय पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक दिवसीय सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे, ताकि एक विशेष क्षेत्र के विकास के लिए और अधिक नए विचार सामने आ सकें।

सत्र का सारांश प्रस्तुत करते हुए, सचिव (योजना) डॉ. अमन गुप्ता ने दो दिवसीय सम्मेलन के दौरान विभिन्न विभागों और हितधारकों द्वारा प्रस्तुत 7 व्यापक विषयों की मुख्य बातों पर प्रकाश डाला। आगे की राह के बारे में जानकारी देते हुए, डॉ. गुप्ता ने कहा कि डोमेन विभागों को सांकेतिक समय–सीमा के साथ प्रत्येक डिलिवरेबल के लिए विशिष्ट लक्ष्यों और मील के पत्थर के साथ एक कार्यान्वयन योजना तैयार करने की आवश्यकता है।

समापन सत्र का समापन सचिव (समन्वय) श्रीमती पल्लवी सरकार द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

तट सुरक्षा अभ्यास "सागर कवच–एसकेवी 01/25" आज से

श्री विजय पुरम, 29 अप्रैल।

अण्डमान तथा निकोबार द्वीप समूह में 30 अप्रैल और 1 मई, 2025 से सभी 17 सुरक्षा एजेंसियों को शामिल करते हुए "सागर कवच – एसकेवी 01/25" नामक एक तट सुरक्षा अभ्यास आयोजित किया जाना है। इस अभ्यास का उद्देश्य विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के बीच तट सुरक्षा तंत्र और समन्वय को मान्य करना है। मछुआरों/आम जनता से अनुरोध है कि वे अपने पहचान पत्र साथ रखें।

मछुआरों से यह भी अनुरोध किया गया है कि वे समुद्र में रहते हुए अपने संबंधित दस्तावेज़ साथ रखें। जनता को सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि या आवाजाही की सूचना पुलिस समुद्री बल कंट्रोल रूम 1093 या अण्डमान तथा निकोबार पुलिस विभाग के ईआरएसएस 112 कंट्रोल रूम को देने का आग्रह किया गया है। आम जनता को सलाह दी जाती है कि वे अभ्यास की अवधि के दौरान घबराएं नहीं और तट सुरक्षा को मजबूत करने के लिए इस महत्वपूर्ण अभ्यास की सफलता सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा बलों और भाग लेने वाली एजेंसियों को पूरा सहयोग दें।

माननीय सांसद ने नेताजी स्टेडियम में एपीएल III–टी–20 क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन किया

श्री विजय पुरम, 29 अप्रैल।

अण्डमान प्रीमियर लीग III–टी–20 क्रिकेट लीग–सह–नॉकआउट टूर्नामेंट का उद्घाटन 26 अप्रैल को नेताजी स्टेडियम में माननीय सांसद श्री बिष्णु पद राय ने क्रिकेट प्रेमियों, अण्डमान तथा निकोबार क्रिकेट एसोसिएशन के कर्मियों और दस भाग लेने वाली टीमों के मालिकों और खिलाड़ियों की उपस्थिति में किया।

अपने संबोधन में सांसद ने कहा कि अण्डमान तथा निकोबार द्वीप समूह में क्रिकेट के बुनियादी ढांचे को विकसित करने के लिए एक करोड़ रुपये आवंटित किए जाएंगे। उन्होंने भाग लेने वाली टीमों से खेल को खेल भावना से खेलने का आग्रह किया। उन्होंने निष्पक्ष खेल सुनिश्चित करने के लिए कोलकाता से योग्य पंजीकृत अंपायरों को लाने के लिए एएनसीए की सराहना भी की। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इस अवसर पर एएनसीए के अध्यक्ष श्री मोहम्मद जाडवेट ने द्वीपों में क्रिकेट के विकास के लिए एक करोड़ रुपये की घोषणा करने के लिए माननीय सांसद को धन्यवाद दिया। एएनसीए के उपाध्यक्ष श्री गिरीश अरोड़ा, महासचिव श्री नलिन गुलेच, आयोजन सचिव श्री मोहम्मद असलम और अन्य सदस्य भी उपस्थित थे।

डिगलीपुर की आईसीडीएस परियोजना (ग्रामीण) द्वारा प्रमुख हेल्पलाइन सेवाओं पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

डिगलीपुर, 29 अप्रैल।

सामाजिक कल्याण निदेशालय के तहत एकीकृत बाल विकास सेवा (आईसीडीएस) परियोजना (ग्रामीण), डिगलीपुर, उत्तर अण्डमान ने पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सुभाषग्राम, डिगलीपुर में भारत सरकार द्वारा प्रदत्त प्रमुख हेल्पलाइन सेवाओं जैसे कि चाइल्ड लाइन–1098, पुलिस–100, फायर ब्रिगेड–101 और एम्बुलेंस–102 पर एक जागरूकता कार्यक्रम

शेष पृष्ठ 4 पर

बर्बादी से पहले सम्हलना होगा, ऊर्जा संरक्षण के पथ पर चलना होगा।

CMYK

मध्योत्तर अण्डमान जिला पुलिस ने "सागर कवच" अभ्यास से पहले मछुआरा निगरानी समूह की बैठकें आयोजित कीं

श्री विजय पुरम, 29 अप्रैल।

आगामी "सागर कवच" तटीय सुरक्षा अभ्यास, जो 30 अप्रैल और 1 मई, 2025 को आयोजित होने वाला है, के मद्देनज़र, उत्तर व मध्य अण्डमान जिला पुलिस ने जिले के सभी पुलिस थाना क्षेत्रों में सक्रिय रूप से मछुआरा निगरानी समूह की बैठकें आयोजित कीं। इन बैठकों का उद्देश्य मछुआरा समुदाय को संवेदनशील बनाना, तटीय निगरानी बढ़ाना और सामुदायिक पुलिसिंग प्रयासों को मजबूत करना था। मछुआरों को, जो तटरेखा के "आँख और कान" हैं, तटीय सुरक्षा में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में जानकारी दी गई और उनसे आग्रह किया गया कि वे अपनी मछली पकड़ने की गतिविधियों के दौरान देखी गई किसी भी संदिग्ध गतिविधि, जहाजों या गतिविधियों की सूचना तुरंत निकटतम पुलिस थाने को दें। बैठकों में पुलिस के साथ वास्तविक समय पर सूचना साझा करने पर ज़ोर दिया गया ताकि किसी भी संभावित खतरे के खिलाफ त्वरित और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। मछुआरों को खुफिया जानकारी देने के लिए मानक प्रोटोकॉल के बारे में भी बताया गया और पुलिस द्वारा उन्हें सभी आवश्यक समर्थन और सुरक्षा का आश्वासन दिया गया। उत्तर व मध्य अण्डमान जिला पुलिस एक सुरक्षित और संरक्षित तटरेखा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है और "सागर कवच" अभ्यास और उसके बाद भी सभी हितधारकों, विशेष रूप से जीवंत मछुआरा समुदाय से सक्रिय सहयोग चाहती है।

उत्तर व मध्य अण्डमान से पुलिस अधीक्षक से प्राप्त विज्ञप्ति में आम जनता से अनुरोध किया गया है कि वे किसी भी अपराध या अवैध गतिविधियों से संबंधित किसी भी विश्वसनीय जानकारी को अपने निकटतम पुलिस थाने या फोन नंबर 100, 112 और 03192–273344 पर दें। सूचना देने वालों की पहचान गुप्त रखी जाएगी और उन्हें उचित रूप से पुरस्कृत भी किया जाएगा।

प्रोबेशन अधिकारी (जेएच) और मुख्य सेविका के पदों के लिए लिखित परीक्षा 11 मई को

श्री विजय पुरम, 29 अप्रैल।

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन की आधिकारिक वेबसाइट **https://erecruitment.andaman.gov.in/ CRAP/ csignin.aspx** के माध्यम से समाज कल्याण निदेशालय के तहत परिवीक्षा अधिकारी (जेएच) और मुख्य सेविका (एडब्ल्यूडब्ल्यू से) के पदों के लिए आमंत्रित ऑनलाइन आवेदनों के संदर्भ में, सूचित किया जाता है कि उपर्युक्त पदों के लिए आवेदन करने वाले पात्र उम्मीदवारों की लिखित परीक्षा 11 मई, 2025 को आयोजित की जाएगी। उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे 30 अप्रैल, 2025 से वेबसाइट **http:// andssw1.and.nic.in/socialwelfare/** से अपने हॉल टिकट डाउनलोड कर लें। यह जानकारी समाज कल्याण निदेशालय द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी गई।

सुफलम–2025: वैश्विक खाद्यान्न भंडार के रूप में उभरने के देश के दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला गया

नई दिल्ली, 29 अप्रैल।

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय (एमओएफपीआई) ने राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमिता एवं प्रबंधन संस्थान (निटेम)–कुंडली के सहयोग से 25–26 अप्रैल 2025 के दौरान निटेम–के परिसर में दो दिवसीय सम्मेलन सुफलम–2025 (आकांक्षी उद्यमियों और सलाहकारों के लिए स्टार्ट–अप फोरम) का आयोजन किया।

सुफलम–2025 के दूसरे दिन की शुरुआत युवा उद्यमियों द्वारा उत्साहपूर्ण बातचीत से हुई। उन्होंने अपनी प्रेरणादायक और अभिनव विचारों को साझा किया। इसके बाद तकनीकी सत्रों जिसकी शुरुआत स्टार्ट–अप इंडिया के प्रतिनिधियों द्वारा दिए गए "स्टार्ट–अप के लिए सरकारी फंडिंग और नीति समर्थन" पर मुख्य भाषण से हुई। इसमें स्टार्ट–अप को बढ़ावा देने के उद्देश्य से फंडिंग योजनाओं और नीतिगत पहलों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। डॉ. टी. प्रसाद , प्रोफेसर, आईआईएम मुंबई द्वारा "स्टार्ट–अप की दुनिया में सशक्त बने रहना" विषय पर चुनौतियों का प्रबंधन, स्थायी बनाने और उद्यमशीलता की भावना को बनाए रखने के बारे में मार्गदर्शन दिया गया। "स्थायी खाद्य समाधान" विषय पर चर्चा में पर्यावरण के लिए जिम्मेदार खाद्य उत्पादन के लिए उभरती अनुकूल प्रौद्योगिकियों और सर्वोत्तम तरीकों की खोज की गई। पैनल चर्चा से पहले नेस्ले लिमिटेड के पूर्व निदेशक, कॉर्पोरेट मामले और स्थिरता, श्री संजय खजूरिया ने मुख्य भाषण दिया।

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के सचिव डॉ. सुब्रत गुप्ता ने अंतिम सत्र में पीएमएफपीई (सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों का पीएम औपचारिकीकरण) योजना के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की तथा सूक्ष्म उद्यमों को सहयोग देने के लिए सरकार की पहलों पर प्रकाश डाला।

इससे पहले केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री श्री चिराग पासवान ने पहले दिन प्रदर्शनी के साथ दो–दिवसीय कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में 23 राज्यों से 500 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए जिनमें उद्योगपतियों, शिक्षाविद, निवेशक और उभरते उद्यमी शामिल थे। इस कार्यक्रम में 20 राज्यों का प्रतिनिधित्व करने वाले 65 प्रदर्शक भी शामिल हुए जिन्होंने देश के खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में समृद्ध विविधता और नवाचार को उजागर किया। व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने के अलावा इस कार्यक्रम का निटेम–के के यू–ट्यूब चैनल पर सीधा प्रसारण किया गया। इस माध्यम से 2,600 से अधिक ऑनलाइन प्रतिभागियों को आकर्षित किया।

डिगलीपुर की आईसीडीएस परियोजनाद —पृष्ठ 1 का शेष

आयोजित किया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों के बीच आपातकालीन सहायता, सुरक्षा, मानसिक स्वास्थ्य और शिकायत निवारण के लिए हेल्पलाइन नंबरों के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। यह आउटरीच बाल संरक्षण तंत्र को मजबूत करने और यह सुनिश्चित करने के लिए एक राष्ट्रव्यापी प्रयास का हिस्सा है कि हर युवा नागरिक तक समय पर सहायता पहुंचे।

इस अवसर पर बोलते हुए, बाल विकास परियोजना अधिकारी श्रीमती इंदिरा देवी ने कहा, "हमारे बच्चों को इन हेल्पलाइन के बारे में ज्ञान से लैस करना उनकी सुरक्षा और मानसिक कल्याण सुनिश्चित करता है। यह हमारे युवाओं के लिए एक अधिक सूचित और सुरक्षित वातावरण बनाने की दिशा में एक कदम है।"

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम का समापन मुख्य सेविका श्रीमती एन. नसीम बीबी द्वारा जागरूकता ब्रोशर के वितरण और छात्रों द्वारा साथियों और परिवार के सदस्यों के साथ जानकारी साझा करने की शपथ के साथ हुआ।

डीएवाई–एनआरएलएम द्वारा लिटिल अण्डमान —पृष्ठ 1 का शेष

समिति सदस्य श्रीमती माहेश्वरी, नेताजी नगर ग्राम पंचायत के प्रधान श्री बिद्युत रॉय और हटबे ग्राम पंचायत के प्रधान श्री रुद्र मूर्ति सम्मानित अतिथि थे।

यह कार्यक्रम श्री बेल्थाज़र, बीडीओ, लिटिल अण्डमान के नेतृत्व में, श्री एस. परमानंथन के घनिष्ठ समन्वय और विभिन्न सम्बद्ध विभागों के समर्थन से सावधानीपूर्वक आयोजित किया गया था।

एसएचजी सदस्यों द्वारा अपने हस्तनिर्मित उत्पादों, ताज़े खाद्य पदार्थों और हस्तशिल्पों को प्रदर्शित और बेचने के लिए कुल 17 स्टॉल लगाए गए थे। उल्लेखनीय रूप से, हरमिंदर बे के एसटी एसएचजी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिसमें कालीन, हस्तनिर्मित बैग, नारियल के खोल के उत्पाद और अन्य स्थानीय शिल्प सहित विभिन्न प्रकार की वस्तुएं प्रदर्शित की गईं। तीन दिनों में, एसएचजी सदस्यों ने लगभग 3,00,000 रुपये की बिक्री की, जिससे उन्हें टिकाऊ लाभ हुआ।

मेले के तीनों दिनों में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए गए।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में श्री सुनील कुमार (आईएफएस) ने शोभा बढ़ाई। सम्मानित अतिथि श्री आशुतोष बहेरा, कमांडिंग ऑफिसर, आईसीजीएस हट बे, श्री जी. मोहन राव, एसएचओ, श्रीमती अनीता मंडल, पंचायत समिति सदस्य, श्री स्वपन कुमार रॉय, एई, विद्युत विभाग और श्री सरूप कुमार बिस्वास, जेई, एपीपीडब्ल्यूडी, हटबे थे।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार यह कार्यक्रम हटबे के ग्राम पंचायत प्रधान श्री रुद्र मूर्ति और लिटिल अण्डमान के बीडीओ श्री बेल्थाज़र के प्रेरणादायक भाषणों के साथ उच्च स्तर पर संपन्न हुआ।

अमृता मिंज ने इंडोर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप–2025 में स्वर्ण पदक जीता

श्री विजय पुरम, 29 अप्रैल।

अण्डमान तथा निकोबार रोइंग टीम ने 26 अप्रैल, 2025 को अलाप्पुझा, केरल में आयोजित 8वीं इंडोर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप में लाइट वेट महिला व्यक्तिगत–2000 मीटर स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। इस स्पर्धा में, अण्डमान तथा निकोबार द्वीप समूह का प्रतिनिधित्व करते हुए सुश्री अमृता मिंज ने 7 मिनट और 51 सेकंड में पहला स्थान हासिल किया, जबकि राजस्थान की सुश्री पूजा कजला ने रजत पदक और केरल की सुश्री विस्मया बिपिन ने कांस्य पदक जीता। अण्डमान तथा निकोबार रोइंग एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री जी. भास्कर ने प्रतियोगिता की तैयारियों पर संतोष व्यक्त किया और भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) और अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि इस तरह के खेल रोइंग समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित होंगे।

शिक्षा विभाग द्वीपों के स्कूली बच्चों के लिए निःशुल्क शतरंज ग्रीष्मकालीन शिविर आयोजित करेगा

श्री विजय पुरम, 29 अप्रैल।

शिक्षा विभाग अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन द्वीपों के सभी नौ शैक्षिक अंचलों में स्कूली बच्चों के लिए निःशुल्क शतरंज ग्रीष्मकालीन शिविर 2025 का आयोजन करेगा। 5 मई से 4 जून, 2025 तक चलने वाली इस अनूठी पहल का उद्देश्य बच्चों को शतरंज की बुनियादी बातों से परिचित कराना है।

शिविर प्रतिदिन सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक द्वीपों के चयनित स्थानों पर आयोजित किया जाएगा। यह ग्रीष्मकालीन शिविर न केवल एक सार्थक अवकाश गतिविधि के रूप में कार्य करता है बल्कि बच्चों में शतरंज के प्रति दीर्घकालिक रुचि जगाने और भविष्य की अंतर–स्कूल और राज्य–स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए उभरती प्रतिभाओं की पहचान करने की भी उम्मीद है। मास्टर ट्रेनर इंटरैक्टिव पाठों, हैंड्स–ऑन प्रदर्शनों और मैत्रीपूर्ण मिनी–टूर्नामेंटों के माध्यम से आकर्षक सत्र आयोजित करेंगे, जिससे सभी प्रतिभागियों के लिए एक मजेदार और प्रभावी सीखने का अनुभव सुनिश्चित होगा।

इच्छुक छात्रों/अभिभावकों को सलाह दी जाती है कि वे चूक से बचने के लिए 03 मई, 2025 को या उससे पहले अपने संबंधित स्थानों पर नामित समन्वयकों से संपर्क करके पंजीकरण करा लें। सभी क्षेत्रों के समन्वयकों का विवरण इस प्रकार है–

शतरंज ग्रीष्मकालीन शिविर के लिए स्थल	क्षेत्र	सम्पर्क व्यक्ति	सम्पर्क संख्या
राजकीय मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, अबर्डीन	श्री विजय पुरम	के.गुरूमूर्ति	9434298424
		जे. पुरूषोत्तम	9474203878
राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, मंगलूटान	श्री विजय पुरम	राजेन्द्रन	9679523824
राजकीय मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, फरारगंज	विम्बर्लीगंज	नवीन कुमार पांडे	7430025577
राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, विम्बर्लीगंज	विम्बर्लीगंज	द्वीपिका	9531850353
राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, ओरलकच्छा	रंगत	सौरव रॉय	9531808381
राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, रंगत	रंगत	मौनिका	9933266283
राजकीय माध्यमिक विद्यालय, बिल्लीग्राउंड	रंगत	स्वप्ना बिस्वास	9474236540
राजकीय मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, मायाबंदर	मायाबंदर	कल्पना	9531990209
		एन. योगेश	9474249184
राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सुभाषग्राम	डिगलीपुर	आर. श्रीनू	9434285138
राजकीय मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, हटबे	लिटिल अण्डमान	मिलन रॉय	9531911436
राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, मलाका	कार निकोबार	आनन्द प्रकाश	9531816465
राजकीय मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, कमोर्टा	ननकौड़ी	अमित टूटी	8982765288
पीएमश्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, कैम्पबेल बे	कैम्पबेल बे	सुरंजन मल्लिक	9476018028

शिक्षा निदेशालय की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि किसी भी सहायता के लिए शिक्षा निदेशालय, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के खेल अनुभाग से 9434293379 या 94342 64762 पर संपर्क करें या **email @ sportsectionpb@gmail.com** पर ईमेल करें।

स्विमिंग पूल आज से खुलेगा

श्री विजय पुरम, 29 अप्रैल।

प्राप्त विज्ञप्ति में यह सूचित किया गया है कि नेताजी स्टेडियम स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, श्री विजय पुरम स्थित स्विमिंग पूल (तरणताल) नियमित उपयोगकर्ताओं, सदस्यों और गैर–सदस्यों के लिए 30 अप्रैल, 2025 से फिर से खोल दिया जाएगा।

खेलो इंडिया महिला बीच सॉकर टीम के लिए चयन ट्रायल 3 मई को

श्री विजय पुरम, 29 अप्रैल।

खेलो इंडिया महिला बीच सॉकर टीम के लिए चयन ट्रायल 3 मई को कार्वाइंस कोव तट पर सुबह 9 बजे से होंगे। यह ट्रायल आगामी राष्ट्रीय बीच सॉकर चैम्पियनशिप के लिए टीम का चयन करने के लिए आयोजित किया जा रहा है। प्राप्त विज्ञप्ति में इच्छुक महिला खिलाड़ियों से अनुरोध किया गया है कि वे निर्धारित तिथि, समय और स्थान पर उपस्थित हों। अधिक जानकारी के लिए 9476079195, 9434286633 और 9434281791 पर संपर्क किया जा सकता है।

समाज कल्याण विभाग में विभिन्न पदों के लिए पात्र और अपात्र उम्मीदवारों की सूची प्रदर्शित

श्री विजय पुरम, 29 अप्रैल।

समाज कल्याण विभाग में विभिन्न पदों के लिए पात्र और अपात्र उम्मीदवारों की सूची प्रदर्शित कर दी गई है। यह सूची अण्डमान तथा प्रशासन की आधिकारिक वेबसाइट **https://erecruitment.andaman.gov.in/ CRAP/csignin.aspx** के माध्यम से परिवीक्षा अधिकारी (जेएच), मुख्य सेविका (एडब्ल्यूडब्ल्यू से) और 'ग्रुप–सी' पदों जैसे चपरासी/एमटीएस, क्राफ्ट इंस्ट्रक्टर और कुक के लिए आमंत्रित ऑनलाइन आवेदनों के संदर्भ में है। सूचित किया जाता है कि परीक्षा आयोजित करने के लिए उपर्युक्त पदों के लिए आवेदन करने वाले पात्र और अपात्र उम्मीदवारों की अंतिम सूची इस निदेशालय के नोटिस बोर्ड और वेबसाइट **http:// andssw1.and.nic.in/socialwelfare/** पर प्रदर्शित कर दी गई है। परीक्षा की तिथियां शीघ्र ही घोषित की जाएंगी। यह जानकारी समाज कल्याण निदेशालय द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी गई।

बिजली बाधित रहेगी

श्री विजय पुरम, 29 अप्रैल।

सामान्य उपभोक्ताओं और सरकारी विभागों को सूचित किया जाता है कि एपीपीडब्ल्यूडी द्वारा आनंद पैराडाइज रोड के सामने ट्रेंचिंग का कार्य करने के दौरान भूमिगत बिजली केबलों के एहतियाती अलगाव के कारण 30 अप्रैल को सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक, यदि आवश्यक हुआ तो, डॉलीगंज के कुछ हिस्से, पहाड़गाँव के कुछ हिस्से, आईसीएमआर कॉलोनी क्षेत्र, स्कूल लाइन के कुछ हिस्से और लंबा लाइन स्थित जल उपचार संयंत्र क्षेत्र में बिजली आपूर्ति निलंबित रहेगी। यह जानकारी विद्युत विभाग द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी गई।

सूचना, प्रचार और पर्यटन निदेशालय द्वारा प्रकाशित तथा प्रबन्धक, राजकीय मुद्रणालय द्वारा मुद्रित, वितरण तथा विज्ञापन के लिए फोन–229465, प्रधान सम्पादक (प्रभारी) पी. कैरल डी. सोणी
e-mail:dweepsamachar@gmail.com

ई–निविदा सूचना

कार्यपालक अभियंता, पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल– I, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान, प्रधान, ग्राम पंचायत, बिडनाबाद की ओर से, निम्नलिखित कार्यों के लिए उचित श्रेणी के योग्य व अनुभवी ठेकेदारो से मुहरबंद मद दर (के.लो.नि.वि.–8 के प्रपत्र के रूप में) आमंत्रित करते है।

क्र.सं. **कार्य का नाम**

एन. आई. टी. संख्या : क.अ./पी आर आई/एस ए डी– I/एम एस/2025–26/11

बिडनाबाद ग्राम पंचायत के अंतर्गत चिडियाटापू में सामुदायिक स्वच्छता परिसर की मरम्मत एवं रखरखाव।

अनुमानित लागत : रु. 5,17,992/–, धरोहर राशि : रु. 10,360/–, कार्य समाप्ति की अवधि : (02) दो माह।

निविदा शुल्क : रु. 500/–, बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : 05/05/2025 के अपराहन 3.00 बजे तक।

निविदा प्रपत्र और अन्य विवरण वेबसाइट https://eprocure.andaman.gov.in से प्राप्त किए जा सकते हैं।

टेंडर आई डी : 2025_RDPRI_18461_1

कार्यपालक अभियंता,
पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल– I,
जंगलीघाट, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान

भारत और मिस्र ने कौशल विकास में रणनीतिक सहयोग के माध्यम से संबंधों को सुदृढ़ करने पर विचार–विमर्श किया

नई दिल्ली, 29 अप्रैल।

भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) ने 28 अप्रैल, 2025 को कौशल भवन, नई दिल्ली में विचार–विमर्श के एक महत्वपूर्ण दौर के लिए मिस्र के तकनीकी शिक्षा उप मंत्री महामहिम प्रो. डॉ. अयमान बहा अल दीन के नेतृत्व में आए एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल की मेजबानी की। यह मुलाकात लगातार मजबूत होते भारत–मिस्र संबंधों में एक और महत्वपूर्ण कदम है। यह वर्ष 2023 में द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने और हाल ही में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को मिस्र के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किए जाने पर आधारित है।

एमएसडीई के सचिव श्री अतुल कुमार तिवारी ने दोनों देशों और स्थानीय लोगों के बीच स्थायी और संस्थागत संबंधों के बारे में बताया। उन्होंने कौशल भारत मिशन के माध्यम से विश्व की कौशल राजधानीष बनने के भारत के दृष्टिकोण पर जोर दिया, जिसके अंतर्गत पहले से ही करीब चार लाख लोगों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स और बड़े डेटा जैसे उन्नत क्षेत्रों में प्रशिक्षित किया जा चुका है। साथ ही 1.3 मिलियन से अधिक उद्यमियों को बढ़ावा दिया जा रहा है।

भारत द्वारा अपने व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण (टीवीईटी) इको सिस्टम को वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाने के प्रयासों तथा विश्व स्तरीय कौशल भारत अंतर्राष्ट्रीय केंद्रों की स्थापना को अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया गया।

मिस्र के प्रतिनिधिमंडल ने मिस्र के व्यापक टीवीईटी सुधारों के बारे में जानकारी साझा की, जिसमें ईयू समर्थित टीवीईटी मिस्र सुधार कार्यक्रम और सेक्टर स्किल काउंसिल की स्थापना शामिल है, जो भारत के स्केलेबल और किफायती कौशल मॉडल के साथ प्रतिध्वनित होती है। दोनों पक्षों ने चल रहे सहयोगों की सफलता जैसे भारत के एनआईईएलआईटी और मिस्र के सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान के बीच 2024 समझौता ज्ञापन, एल–सेवेदी समूह की एमिटी विश्वविद्यालय के साथ साझेदारी और काहिरा में भारत समर्थित व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र आदि का उल्लेख किया।

दोनों देशों ने भविष्य में आपसी सहयोग के लिए कई आशाजनक मुद्दों की पहचान की। इनमें संयुक्त प्रमाणन कार्यक्रम, संकाय और छात्र आदान–प्रदान, डिजिटल कौशल और उद्यमिता पहल, सूचना प्रौद्योगिकी, कृषि, पर्यटन और हरित कौशल जैसे प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में उत्.ष्टता केंद्रों की स्थापना शामिल है। दोनों प्रतिनिधिमंडलों ने वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी, भविष्य के लिए तैयार कार्यबल बनाने और व्यापक दक्षिण–दक्षिण सहयोग के लिए एक मिसाल के रूप में अपनी साझेदारी का उपयोग करने के लिए साझा प्रतिबद्धता व्यक्त की।

वाशिंगटन में भारतीय और अमेरिकी अधिकारियों की बैठक में द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर वार्ता में सकारात्मक प्रगति

नई दिल्ली, 29 अप्रैल।

भारत–अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर चल रही चर्चाओं के हिस्से के रूप में, भारत के वाणिज्य विभाग और अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय के प्रतिनिधियों ने 23 से 25 अप्रैल, 2025 तक वाशिंगटन, डी.सी. में मुलाकात की। नई दिल्ली में मार्च, 2025 में आयोजित द्विपक्षीय चर्चाओं के बाद यह बैठक हुई थी।

वाशिंगटन, डी.सी. में बैठकों के दौरान, टीम ने टैरिफ और गैर–टैरिफ मामलों को कवर करने वाले व्यापक विषयों पर लाभदायक चर्चा की। टीम ने 2025 की शरद ऋतु तक पारस्परिक रूप से लाभकारी, बहु–क्षेत्रीय द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण को पूरा करने के उपायों पर चर्चा की, जिसमें शुरुआती पारस्परिक जीत के अवसर भी शामिल हैं। यह ध्यान देने योग्य बात है कि वर्चुअल तौर पर क्षेत्रवार विशेषज्ञ स्तर की बैठकें लाभदायक रही हैं और मई के अंत से व्यक्तिगत क्षेत्रवार बैठकों की योजना है।

ये लाभदायक चर्चाएं द्विपक्षीय व्यापार समझौते के माध्यम से भारत–अमेरिका के बीच आर्थिक संबंधों और आपूर्ति श्रृंखला के एकीकरण को आगे बढ़ाने और विस्तारित करने के लिए फरवरी 2025 में नेताओं

बदलते वैश्विक माहौल में भारतीय कारोबारियों को लुभाने में जुटा चीन, भारतीय इंजीनियरों को बुला रहा अपने देश

नई दिल्ली, 29 अप्रैल।

अमेरिका की शुल्क नीति से बदले वैश्विक कारोबारी माहौल में चीन अब भारतीय कारोबारियों को पूरी तरह से लुभाने में जुट गया है। भारतीयों को अपने उत्पादन की जानकारी से दूर रखने वाला चीन अब अपनी मशीन बेचने के लिए भारतीय कंपनियों के इंजीनियर्स को मशीन की पूरी जानकारी दे रहा है।

उन इंजीनियर्स को मशीन को खोलकर फिर से उसे असेंबल करने का प्रशिक्षण दे रहा है। भारतीय इंजीनियर्स उनके मेहमान बनकर इस प्रकार का प्रशिक्षण ले रहे हैं। अभी हाल में चीन के शेनजेन और गोंजो में लगे व्यापारिक मेले में चीन की कंपनियों के साथ कई भारतीय कंपनियों ने इस प्रकार के समझौते किए है। असल में चीन की मशीन के खराब होने पर उसे ठीक कराने में होने वाली दिक्कत को देखते हुए भारतीय उद्यमी चीन की मशीन खरीदने से कतराने लगे थे।

चीन की मशीन खराब होने पर चीन के इंजीनियर्स को भारत बुलाना पड़ता था, लेकिन चीन के इंजीनियर्स को आसानी से वीजा नहीं मिलने के कारण कई बार चीन की मशीन ठीक कराने में महीनों लग जाते थे और उद्यमियों को इसका नुकसान उठाना पड़ता था।

अमेरिका की तरफ से चीन के सभी उत्पाद पर 145 प्रतिशत का शुल्क लगाने के बाद चीन को भारत अपने माल की खपत के लिए बड़ा बाजार दिख रहा है। इसलिए चीन भारतीय कारोबारियों को कच्चे माल पर भी पहले की तुलना में अधिक छूट दे रहा है।

एचएस ओवरसीज प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक नितिन अग्रवाल ने बताया कि वे अपनी कंपनियों के लिए प्लास्टिक उत्पाद बनाने की मशीन चीन से खरीद रहे हैं और उनके इंजीनियर को चीन की कंपनी मशीन को खोलकर उसे फिर से फिट करने व अन्य तकनीकी जानकारी देगी ताकि भारत आने के बाद मशीन में खराबी आने पर उन्हें चीन के इंजीनियर का इंतजार नहीं करना पड़े।

इस संबंध में चीन की कंपनी के साथ उन्होंने समझौता भी किया है। चीन की कंपनियां मशीन की सॉफ्टवेयर प्रोग्रामिंग को छोड़ सभी कुछ बताने व सिखाने के लिए तैयार है। इसका फायदा यह होगा कि कुछ सालों में ऐसी मशीन भारत में भी बनने लगेंगी।

चीन में लगे व्यापारिक मेले में जाने वाले एक अन्य कारोबारी सचिन गुप्ता ने बताया कि चीन के लिए भारतीय कारोबारी इन दिनों काफी अहम हो गए हैं। वे भारतीय कारोबारियों को सभी कच्चे माल पर पहले की तुलना में अधिक छूट देने की पेशकश कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि भारत में फुटवियर पर क्वालिटी कंट्रोल नियम लगने के बाद अब छोटे–छोटे उद्यमी चीन से मशीन व कच्चे माल लाकर देश में ही फुटवियर का उत्पादन कर रहे हैं। पहले चीन से तैयार फुटवियर का वे आयात करते थे।

चीन का माल खरीदने वाले कारोबारियों ने बताया कि अभी चीन के कारोबारी भारत के कारोबारियों की हर शर्त मानने के लिए तैयार दिख रहे हैं। विभिन्न वस्तुओं के निर्माण से जुड़े कच्चे माल के लिए भारत चीन पर काफी हद तक निर्भर करता है। गत वित्त वर्ष 2024–25 में भारत ने चीन से 113 अरब डालर का आयात किया तो चीन को सिर्फ 14 अरब डालर का भारत ने निर्यात किया।

सरकारी कामकाज में हिंदी को बढ़ावा देना केवल कुछ विभागों का काम नहीं बल्कि समाज की साझा जिम्मेदारी है: मंत्री

नई दिल्ली, 29 अप्रैल।

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा प्रधानमंत्री कार्यालय, परमाणु ऊर्जा विभाग, अंतरिक्ष विभाग, कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने सामूहिक जिम्मेदारी का आह्वान करते हुए इस बात पर जोर दिया कि सरकारी कामकाज में हिंदी को बढ़ावा देना केवल कुछ विभागों का काम नहीं है, बल्कि यह समाज की साझा जिम्मेदारी है।

कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय द्वारा आयोजित हिंदी सलाहकार समिति की बैठक में डॉ. जितेन्द्र सिंह ने कहा कि यद्यपि हिंदी के प्रयोग को बढ़ाने में उल्लेखनीय प्रगति हुई है, फिर भी व्यापक लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सभी हितधारकों की ओर से निरंतर प्रयास आवश्यक हैं।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले दशक में प्रगति हुई है जिसने हिंदी को बढ़ावा देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता की कुछ खामियों को दूर करने में मदद की है। उन्होंने बताया कि ऐतिहासिक रूप से अनेक लोगों की मातृभाषा होने के बावजूद, हिंदी को आधिकारिक संचार में वह औपचारिक स्वी.ति नहीं मिली, जिसकी वह हकदार थी। उन्होंने कहा, पहले, हिंदी में पत्र प्राप्त करना या भेजना काफी मुश्किल था और यहां तक कि प्राप्तकर्ता भी हिंदी में पत्र स्वीकार करने में संकोच करते थे, लेकिन अब यह मानसिकता धीरे–धीरे बदल गई है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि हिंदी के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण में बदलाव इसकी व्यापक स्वीकार्यता के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने दक्षिण भारत के उदाहरण दिए, जहां नई पीढ़ी हिंदी सीखने के लिए तेजी से उत्सुक है। उन्होंने कहा, तीसरी पीढ़ी के बच्चे स्वाभाविक रूप से हिंदी को अपना रहे हैं, जो सकारात्मक सांस्.तिक बदलाव का संकेत है।

उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि फ्रांस और जर्मनी जैसे देशों ने अपनी भाषाओं को संरक्षित रखा है। इसी तरह, हिंदी को बढ़ावा देने के भारत के प्रयासों को यांत्रिक अनुवाद अभ्यासों के बजाय गर्व और निरंतर अभ्यास पर आधारित होना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि अनुवाद का उद्देश्य केवल अंग्रेजी शब्दों को हिंदी शब्दों से बदलने के बजाय संचार की भावना और तकनीकी सार को संरक्षित करना होना चाहिए।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने हिंदी को बढ़ावा देने में आने वाली व्यावहारिक चुनौतियों की भी चर्चा की, जिनमें कुछ क्षेत्रों में योग्य शिक्षकों की कमी और प्रशासनिक बाधाएं शामिल हैं। उन्होंने अधिक गतिशील भागीदारी का सुझाव देते हुए, समिति के सदस्यों और हितधारकों को औपचारिक बैठकों से आगे बढ़कर नियमित संचार और व्यावहारिक पहलों के माध्यम से सक्रिय रूप से योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा, केवल दिन–प्रतिदिन की वास्तविक प्रतिबद्धता के माध्यम से ही हम शासन के सभी क्षेत्रों में हिंदी को सही मायने में मुख्यधारा में ला सकते हैं।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने अपने संबोधन के समापन पर सभी संस्थानों में हिंदी के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए अभिनव तरीकों का आह्वान किया और सभी हितधारकों से आग्रह किया कि वे इस प्रयास में खुद को सक्रिय योगदानकर्ता के रूप में देखें। उन्होंने सदस्यों के सुझावों का स्वागत करते हुए दोहराया कि उनके सुझाव भविष्य की नीतियों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने सेवा शुल्क वापस न करने पर दिल्ली के पांच रेस्तरां के खिलाफ स्वतः संज्ञान लिया

नई दिल्ली, 29 अप्रैल।

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के निर्णय के बावजूद अनिवार्य सेवा शुल्क वापस न करने के मामले में पांच रेस्तरां– मखना डेली, जीरो कोर्टयार्ड, कैसल बारबेक्यू, चायोस और फिएस्टा बाय बारबेक्यू नेशन के खिलाफ स्वतः संज्ञान लेते हुए कार्रवाई की है। उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के तहत नोटिस जारी किए गए हैं, जिसमें रेस्तरांओं को सेवा शुल्क राशि वापस करने का निर्देश दिया गया है।

इस कदम का उद्देश्य किसी भी रेस्तरां में सेवाएं प्राप्त करते समय उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त राशि का भुगतान करने के लिए पड़ने वाले अनुचित दबाव को कम करना है, क्योंकि किसी भी होटल या रेस्तरां को उपभोक्ता को सेवा शुल्क का भुगतान करने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता अथवा किसी अन्य नाम से उपभोक्ताओं से सेवा शुल्क भी वसूला नहीं जा सकता है।

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने 4 जुलाई 2022 को होटलों और रेस्तराओं में सेवा शुल्क के संबंध में अनुचित व्यापार प्रथाओं पर अंकुश लगाने और उपभोक्ता हितों की रक्षा के लिए दिशा–निर्देश जारी किए हैं। इन दिशा–निर्देशों में निम्नलिखित प्रावधान हैं :–

- कोई भी होटल या रेस्तरां भोजन बिल में स्वचालित रूप से या डिफॉल्ट रूप से सेवा शुल्क नहीं जोड़ेगा।
- किसी अन्य नाम से सेवा शुल्क की वसूली नहीं की जाएगी।
- कोई भी होटल या रेस्तरां उपभोक्ता को सेवा शुल्क का भुगतान करने के लिए बाध्य नहीं करेगा तथा उपभोक्ता को स्पष्ट रूप से सूचित नहीं करेगा कि सेवा शुल्क स्वैच्छिक, वैकल्पिक तथा उपभोक्ता के विवेक पर निर्भर है।
- सेवा शुल्क के संग्रह के आधार पर उपभोक्ताओं पर प्रवेश या सेवाओं के प्रावधान पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया जाएगा।
- सेवा शुल्क को भोजन बिल के साथ जोड़कर तथा कुल राशि पर जीएसटी लगाकर नहीं वसूला जाएगा।

दिनांक 28 मार्च 2025 को, दिल्ली उच्च न्यायालय ने सेवा शुल्क पर सीसीपीए के दिशा–निर्देशों को बरकरार रखा। इसके बाद, राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (1915) पर प्राप्त शिकायतों के माध्यम से केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) के संज्ञान में आया कि शिकायतें दर्ज की गई थीं, जिसमें आरोप लगाया गया था कि कुछ रेस्तरां उपभोक्ताओं से पूर्व सहमति प्राप्त किए बिना अनिवार्य सेवा शुल्क लगाना जारी रखे हुए हैं, जिससे उपभोक्ता अधिकारों का हनन हो रहा है और उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के अनुसार ये रेस्तरां अनुचित व्यापार व्यवहार में लिप्त हैं।

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) की स्थापना उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 की धारा 10 के अंतर्गत की गई थी। इसका प्राथमिक कार्य उपभोक्ता अधिकारों के उल्लंघन, अनुचित व्यापार कार्य प्रणालियो और असत्य या भ्रामक विज्ञापनों से संबंधित मामलों को विनियमित करना है जो आम जनता और उपभोक्ताओं के हितों के लिए हानिकारक हैं।

इतिहास के पन्नों में 30 अप्रैलः शिकस्त से पस्त तानाशाह ने बंकर में की खुदकुशी

नई दिल्ली, 29 अप्रैल।

1933 से 1945 तक जर्मनी के चांसलर और तानाशाह एडोल्फ़ हिटलर ने 30 अप्रैल 1945 को बर्लिन में जमीन से 50 फुट नीचे बने अपने बंकर में आत्महत्या कर ली। सोवियत संघ की सेनाएँ बर्लिन तक पहुंचने की खबर के साथ यूरोप में द्वितीय विश्वयुद्ध का अंत हो गया और इससे हताश होकर हिटलर की पत्नी एवा ब्राउन ने भी सायनाइड खाकर आत्महत्या कर ली। हिटलर के पूर्व लिखित और मौखिक निर्देशों के अनुसार, उस दोपहर उनके शरीर के अवशेषों को सीढ़ियों से ऊपर ले जाया गया और बंकर के आपातकालीन निकास के माध्यम से बाग़ान ले जाया गया, जहां पेट्रोल डालकर जला दिया गया। अगले दिन 1 मई को जर्मन रेडियो पर हिटलर की मौत की खबर की घोषणा की गई। सोवियत रिकॉर्ड के अनुसार हिटलर और एवा के शरीर के जले हुए अवशेष बरामद किए गए।

अन्य अहम घटनाएं

2017– नेपाल के उच्चतम न्यायालय की पहली महिला मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की पर महाभियोग का प्रस्ताव।

2010 – सदाबहार अभिनेता देवानंद को दादा साहेब फाल्के तथा प्राण को फाल्के आइकॉन सम्मान।

2008 – चालक रहित विमान लक्ष्य का उड़ीसा के बालासोर ज़िले के चाँदीपुर समुद्र तट से सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया।

2007 – नेत्रहीन पायलट माइल्स हिल्टन ने विमान से आधी दुनिया का चक्कर लगाकर रिकार्ड बनाया।

2006 – 2011 क्रिकेट विश्वकप की मेजबानी भारतीय उपमहाद्वीप को मिली।

2005 – नरेश के असाधारण अधिकार बरकरार रखते हुए नेपाल में इमरजेंसी खत्म।

2004 – फजुला (इराक) में हिंसा में 10 अमेरिकी सैनिक मारे गये।

2002 – पाकिस्तान में राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ़ के अगले 5 वर्षों के कार्यकाल में वृद्धि के लिए जनमत संग्रह।

2001 – फिलीपींस में एरुत्रादा समर्थकों द्वारा तख्तापलट का प्रयास।

2000 – आतंकवाद से निपटने के लिए सहयोग के आह्वान के साथ जी –77 शिखर सम्मेलन हवाना में सम्पन्न।

1999 – लेविंस्की–क्लिंटन मामले को दुनिया के सामने लाने वाले पत्रकार माइकल इशिकॉफ़ को अंग्रेज़ी साप्ताहिक पत्रिका न्यूज वीक का श्नेशनल मैंगनीज अवार्ड

– हिन्द महासागर के द्वीप कोमोरोस में सेना द्वारा सत्ता पर कब्ज़ा।

1993 – जर्मनी के हैम्बर्ग शहर में एक मैच के दौरान उस समय की दुनिया की नंबर एक टेनिस खिलाड़ी मोनिका सेलेज़ को छूरा मारकर घायल कर दिया गया।

1991 – बांग्लादेश में भीषण चक्रवात में सवा लाख से अधिक लोगों की मौत और 90 लाख लोग बेघर।

1985 – अमेरिकी पर्वतारोही रिचर्ड डिक बास (55वर्ष) माउंट एवरेस्ट पर सर्वाधिक उम्र में चढ़ने वाले व्यक्ति बने।

1973 – अमेरिका के राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन ने देश के राष्ट्रपति के नाते वॉटरगेट काँड की ज़िम्मेदारी ली हालांकि उन्होंने साफ कहा कि वह निजी तौर पर इसके लिए जिम्मेदार नहीं हैं।

1975 – वियतनाम युद्ध का अंत, तीन दिन के सत्तारूढ़ राष्ट्रपति दुओंग वैन मिन्ह ने अपनी सेनाओं से समर्पण करने और उत्तरी वियतनामियों से हमले रोकने को कहा।

1945 – जर्मन तानाशाह हिटलर एवं उसकी पत्नी इवा ब्राउन द्वारा आत्महत्या।

1936 – महात्मा गांधी ने अपना आवास बदला, वर्धा में सेवाग्राम आश्रम में रहने लगे।

1908 – खुदीराम बोस और प्रफुल्ल चाकी ने मुजफरपुर में किंग्सफोर्ड के मजिस्ट्रेट की हत्या करने के लिए बम फेंका लेकिन दो बेगुनाह बम की चपेट में आकर मारे गए।

1789 – जॉर्ज वॉशिंगटन सर्वसम्मति से अमेरिका के पहले राष्ट्रपति चुने गए।

जन्म

1967 – मीनाक्षी लेखी – भाजपा नेत्री एवं पूर्व सांसद।

1966 – बीसेट्टी वेंकट सत्यवती – आंध्र प्रदेश की महिला राजनीतिज्ञ।

1949 – एंटोनियो गुटेरेस – संयुक्त राष्ट्र संघ के नौवें महासचिव हैं।

1927 – फ़ातिमा बीबी – भारत में सर्वोच्च न्यायालय की भूतपूर्व न्यायाधीश थी।

पेगासस स्पाईवेयर का इस्तेमाल करने में गलत क्या है : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 29 अप्रैल।

स्पाईवेयर पेगासस मामले में सुनवाई कर रहे सुप्रीम कोर्ट बड़ी टिप्पणी की है। मंगलवार को शीर्ष न्यायालय ने कहा है कि अगर देश में स्पाईवेयर का इस्तेमाल हो रहा है, तो गलत क्या है। खास बात है कि अदालत ने यह भी साफ कर दिया है कि पेगासस के जरिए जासूसी की जांच कर रही कमेटी की रिपोर्ट को सार्वजनिक नहीं किया जा सकता।

बार एंड बेंच के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 'अगर कोई देश स्पाईवेयर का इस्तेमाल कर रहा है, तो इसमें गलत क्या है? एक बात साफ कर दें कि स्पाईवेयर रखने में कोई परेशानी नहीं है...। इसका इस्तेमाल ऐसे कुछ लोगों... जैसे. पर किया जा सकता है। राष्ट्र की सुरक्षा के साथ समझौता नहीं कर सकते। हां सवाल यह हो सकता है कि इसका इस्तेमाल किसके खिलाफ किया जा रहा है। अगर इसका इस्तेमाल सिविल सोसाइटी व्यक्ति के खिलाफ किया जा रहा है, तो मामले पर विचार किया जाएगा।'

पीठ ने कहा, 'देश की सुरक्षा और संप्रभुता से जुड़ी किसी भी रिपोर्ट को नहीं छुआ जाएगा लेकिन जो व्यक्ति यह जानना चाहते हैं कि उन्हें इसमें शामिल किया गया है या नहीं, उन्हें सूचित किया जा सकता है। हां, व्यक्तिगत आशंकाओं से निपटा जाना चाहिए लेकिन इसे सड़कों पर चर्चा का दस्तावेज नहीं बनाया जा सकता।'

शीर्ष अदालत ने कहा कि उसे इस बात की भी समीक्षा करनी होगी कि तकनीकी पैनल की रिपोर्ट को व्यक्तियों के साथ किस हद तक साझा किया जा सकता है। सुनवाई के दौरान एक याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने एक अमेरिकी जिला अदालत के फैसले का जिक्र किया।

सिब्बल ने कहा, 'व्हाट्सऐप ने खुद ही यहां खुलासा किया है। किसी तीसरे पक्ष ने नहीं। व्हाट्सऐप ने हैकिंग के बारे में कहा है।' शीर्ष अदालत ने कहा कि वह 30 जुलाई को मामले की सुनवाई करेगी।

एक अंतरराष्ट्रीय मीडिया संघ ने बताया था कि 300 से अधिक सत्यापित भारतीय सेलफोन नंबर उन संभावित लक्ष्यों की सूची में थे जिनकी पेगासस स्पाइवेयर का उपयोग करके निगरानी की जानी थी।

वित्त मंत्री ने यूपीआई के अंतर्राष्ट्रीयकरण में तेजी लाने के महत्व पर ज़ोर दिया

नई दिल्ली, 29 अप्रैल।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अगले दो से तीन वर्षों के भीतर प्रतिदिन एक बिलियन यूपीआई लेनदेन के लक्ष्य को प्राप्त करने की आवश्यकता पर जोर दिया है। उन्होंने अंतर–संचालन ढांचे के विकास के साथ यूपीआई के अंतर्राष्ट्रीयकरण में तेजी लाने के महत्व पर भी जोर दिया है।

वित्त मंत्री ने नई दिल्ली में यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस –यूपीआई व्यवस्था के विभिन्न पहलुओं और आगे के रास्ते की समीक्षा के लिए बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में वित्त मंत्रालय, भारतीय रिजर्व बैंक और भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

आयुष्मान भारत दिवस: क्या है आयुष्मान भारत योजना, कैसे करती है ये काम

नई दिल्ली, 29 अप्रैल।

आयुष्मान भारत योजना का उद्देश्य देशवासियों के स्वास्थ्य का ख्याल रखना और उनकी लंबी आयु की कामना करना है. योजना के नाम से ही इसका उद्देश्य साफ नजर आता है. इस योजना को प्रत्येक वर्ष 30 अप्रैल को देश में आयुष्मान भारत दिवस के रूप में मनाया जाता है. दरअसल 2018 में आज ही के दिन देश में आयुष्मान भारत योजना की शुरुआत हुई थी. केंद्र सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत देश के निम्न आय वाली एक बड़ी आबादी के प्रत्येक परिवार को हर साल पांच लाख रुपए तक की स्वास्थ्य सुविधा निशुल्क दी जाती है. दुनिया के दूसरे देश भी भारत की इस स्वास्थ्य योजना का लोहा मानती है.

आयुष्मान भारत योजना देश के गरीब वर्ग के लोगों के लिए काफी मददगार साबित हो रही है और लोग इसका लाभ ले पा रहे हैं. आयुष्मान भारत दिवस पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य सुरक्षा मिशन के बारे में जागरूकता पैदा करने के साथ ही सामाजिक, आर्थिक और जातिगत जनगणना डेटाबेस को सत्यापित और अपडेट करने के लिए देश के विभिन्न हिस्सों में ग्राम सभाओं का आयोजन किया जाता है. आयुष्मान भारत योजना का मुख्य उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर लोगों खासतौर पर बीपीएल कार्डधारकों को स्वास्थ्य बीमा मुहैया कराना है.

कब शुरू हुई आयुष्मान भारत योजना

21 मार्च 2018 को केंद्र सरकार ने आयुष्मान भारत राष्ट्रीय स्वास्थ्य सुरक्षा मिशन शुरू करने की मंजूरी दी थी और 30 अप्रैल 2018 से इसकी शुरुआत कर दी गई. प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ के बीजापुर में इस योजना का शुभारंभ किया था जिसके माध्यम से 10 करोड़ से ज्यादा परिवारों के लगभग 50 करोड़ लोगों को मुत इलाज की सुविधा देने का दावा किया गया है. इस योजना के अंतर्गत

आने वाले प्रत्येक परिवार को पांच लाख तक का कैशरहित स्वास्थ्य बीमा उपलब्ध कराया जाता है. इसके तहत बेहद गंभीर बीमारियों को भी इलाज के लिए बीमा कवर में शामिल किया गया है.

दरअसल राष्ट्रीय स्वास्थ्य सुरक्षा योजना ही आयुष्मान भारत योजना में तब्दील हो चुकी है जिसके तहत केंद्र सरकार 10 करोड़ गरीब और कमजोर परिवारों के लगभग 50 करोड़ सदस्यों का स्वास्थ्य बीमा कवर कर रही है. यह योजना हर परिवार के लिए प्रत्येक साल 5 लाख की धनराशि तक को अस्पताल में देखभाल के लिए कवर करती है. आपको बता दें कि इस योजना का लाभ पूरे देश में कहीं भी सरकारी या सूचीबद्ध निजी अस्पतालों में लिया जा सकता है.

यह योजना कल्याण केंद्र योजना से भी जुड़ी है जिसके तहत स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र में दी जाने वाली सेवाओं को शामिल किया गया है. इसमें निम्नलिखित योजनाएं शामिल हैं.

गर्भावस्था देखभाल और स्वास्थ्य सेवाएं
नवजात और शिशु स्वास्थ्य सेवाएं
बाल स्वास्थ्य संक्रामक रोग
मानसिक बीमारी के लिए आपातकालीन चिकित्सा

हरित हाइड्रोजन भविष्य का ईंधन है: प्रह्लाद जोशी

नई दिल्ली, 29 अप्रैल।

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा है कि हरित हाइड्रोजन भविष्य का ईंधन है। उन्होंने हरित हाइड्रोजन के उत्पादन में तकनीकी विकास की दिशा में सहयोग करने के लिए सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को प्रेरित किया। नई दिल्ली में आज एमएसएमई के लिए राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन अवसरों पर एक कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए श्री जोशी ने कहा कि एमएसएमई में विनिर्माण, इंजीनियरिंग के लिए महत्वपूर्ण सहायता प्रदान करने और नए तकनीकी विचारों के साथ आने की क्षमता है। यह क्षमता भारत को नवीकरणीय ऊर्जा की दिशा में सशक्त बना सकती है।

कार्यक्रम के दौरान श्री जोशी ने भारत की हरित हाइड्रोजन की प्रमाणीकरण योजना का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि यह प्रमाणीकरण योजना देश में हरित हाइड्रोजन का उत्पादन सुनिश्चित करेगी। श्री जोशी ने कहा कि भारत ने

4 लाख 12 हजार टन हरित हाइड्रोजन डेरिवेटिव के लिए जापान के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किये हैं। उन्होंने कहा कि 2030 तक प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मंत्रालय का लक्ष्य 2030 तक इसे बढ़ाकर पांच मिलियन टन करना है।

INS विक्रांत : 1971 में दुश्मनों का काल बना युद्धपोत, अब पहलगाम हमले के बाद फिर चर्चा

नई दिल्ली, 29 अप्रैल।

जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हालिया आतंकी हमले के बाद भारत की सुरक्षा तैयारियां एक बार फिर केंद्र में हैं। रविवार को भारतीय नौसेना ने अरब सागर में INS विक्रांत से एंटी–शिप युद्धाभ्यास कर अपनी समुद्री ताकत का प्रदर्शन किया। 1971 की जंग में आईएनएस विक्रांत ने समुद्र के सीने पर अपना लोहा मनवाया था और दुश्मन सेना के दांत खट्टे कर दिए थे। पाकिस्तान की नौसेना को घुटनों पर लाने वाला यही युद्धपोत अब नए अवतार में एक बार फिर चर्चा में है।

बीते रविवार को INS विक्रांत से MiG-29K लड़ाकू विमानों ने उड़ान भरी और एंटी–शिप ऑपरेशन्स का अभ्यास किया। इसमें हेलिकॉप्टर, सी किंग और कम्युनिकेशन इंटरसेप्शन यूनिट्स भी शामिल रहीं। नौसेना के अनुसार, अभ्यास का उद्देश्य तेज प्रतिक्रिया क्षमता, सटीक हमले और नेटवर्क–सेंट्रिक वॉरफेयर स्किल्स को परखना था। नौसेना ने कहा कि वह भारत के समुद्री हितों की रक्षा करने के लिए कहीं भी और किसी भी समय ऐक्शन के लिए तैयार हैं। भारत का पहला स्वदेशी विमानवाहक पोत INS विक्रांत साल 2022 में नौसेना में शामिल हुआ था। लेकिन यह नाम 1971 की ऐतिहासिक भारत–पाक युद्ध से जुड़ी वीरगाथाओं के लिए पहले से ही मशहूर है। 1971 की जंग में पुराने ष्छै विक्रांत ने पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) में पाकिस्तानी नौसेना की नाकेबंदी में प्रमुख भूमिका निभाई थी। यह युद्धपोत चिटगांव, कोक्स बाजार और मोंगला जैसे ठिकानों पर हवाई हमले कराने में सफल रहा, जिससे पाकिस्तान की सैन्य आपूर्ति टूट गई। नया विक्रांत उसी गौरव को आगे बढ़ा रहा है, इस बार और भी ज्यादा घातक तकनीक

और स्वदेशी ताकत के साथ।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत की सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हैं। समुद्री सीमाओं से घुसपैठ और हथियारों की आपूर्ति के खतरे को देखते हुए ष्छै विक्रांत जैसे पोत की भूमिका बेहद अहम हो जाती है। विशेषज्ञ मानते हैं कि भारत की 'थ्री–डोमेन डिफेंस स्ट्रैटेजी' में अब समुद्री मोर्चा पहले से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण हो गया है। ष्छै विक्रांत न सिर्फ एक विमानवाहक पोत है, बल्कि यह एक चलता–फिरता एयरबेस, स्ट्राइक फोर्स और दुश्मन सेना पर मनोवैज्ञानिक दबाव का प्रतीक है।

पाकिस्तान के साथ हालिया तनाव के बीच आईएनएस विक्रांत की अचानक चर्चा इसलिए भी हो रही है, क्योंकि आईएनएस विक्रांत के नौसेना में शामिल होने से भारत के पास अब दो विमानवाहक युद्धपोत हो गए हैं। इस तरह भारत ब्रिटेन, अमेरिका, प्रांस, चीन और रूस जैसे उन चुनिंदा देशों में शामिल हो गया है। दूसरी ओर पाकिस्तान के पास अब तक कोई भी युद्धपोत नहीं है।

खाने में एनालॉग पनीर के इस्तेमाल की देनी होगी जानकारी, रेस्तरां और होटलों पर कड़ाई का सरकार बना रही प्लान

नई दिल्ली, 29 अप्रैल।

होटलों और रेस्तरां को जल्द ही यह बताना पड़ सकता है कि वे ग्राहकों को परोसे जाने वाले किन व्यंजनों में दूध से बने पनीर की जगह एनालॉग पनीर का उपयोग करते हैं। शीर्ष सरकारी अधिकारी ने सोमवार को बताया कि उपभोक्ता मामलों का मंत्रालय इस संबंध में दिशानिर्देश जारी करने पर विचार कर रहा है।

एनालॉग पनीर की कीमत डेयरी वाले पनीर की तुलना में लगभग आधी होती है जबकि इसका स्वाद पनीर जैसा ही होता है। पारंपरिक पनीर नींबू के रस या सिरके जैसे एसिड को ताजा दूध में डालकर बनाया जाता है, जबकि एनालॉग पनीर आमतौर पर इमल्सिफायर, स्टार्च और वनस्पति तेल से बनता है। इस पनीर में खराब वनस्पति तेलों का उपयोग करने के संबंध में स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं जताई जाती रही हैं।

अब रेस्तरां को ग्राहकों को देनी होगी पूरी जानकारी

उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने कहा कि एनालॉग पनीर दिखने और स्वाद में पारंपरिक पनीर जैसा होता है, लेकिन यह पनीर नहीं है। एनालॉग पनीर सस्ता होता है। होटलों तथा रेस्तरां को ग्राहकों को स्पष्ट रूप से बताना

चाहिए कि उनके व्यंजनों में पारंपरिक पनीर है या एनालॉग पनीर। व्यंजन की कीमत उसके अनुसार ही तय करनी चाहिए।

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने उपभोक्ताओं के साथ धोखाधड़ी रोकने के लिए पनीर बनाने वालों के लिए एनालाग पनीर पर गैर–डेयरी लेबल लगाना पहले ही अनिवार्य कर दिया है, लेकिन ये नियम इस समय रेस्तरां में परोसे जाने वाले तैयार भोजन पर लागू नहीं होते हैं।

गजब है वॉट्सऐप का नया फीचर, मोबाइल और डेस्कटॉप ऐप के बिना कर सकेंगे कॉल

नई दिल्ली, 29 अप्रैल।

वॉट्सऐप अपने यूजर्स के एक्सपीरियंस को बेहतर बनाने के लिए नए–नए फीचर लाता रहता है। साल की शुरुआत से लेकर अब तक वॉट्सऐप में कई नए फीचर की एंट्री हुई है। अब कंपनी वॉइस और वीडियो कॉलिंग के लिए एक जबर्दस्त फीचर लाने की तैयारी कर रही है। वॉट्सऐप का यह नया फीचर वेब वर्जन के लिए है। अभी की बात करें, तो यूजर केवल मोबाइल ऐप और डेस्कटॉप वर्जन से ही कॉल कर पा रहे थे। नया फीचर वॉट्सऐप वेब के यूजर्स को सीधे ब्राउजर से ही कॉलिंग की सुविधा देगा।

वॉट्सऐप के इस नए फीचर की जानकारी WABetaInfo ने दी है। WABetaInfo ने इसका एक स्क्रीनशॉट भी शेयर किया है। शेयर किए गए स्क्रीनशॉट में आप वेब ब्राउजर में वॉट्सऐप ग्रुप चौट के अंदर कैमरा और फोन आइकन को देख सकते हैं। वॉट्सऐप के वेब वर्जन में इस फीचर के आने के बाद यूजर्स को कॉलिंग के लिए डेस्कटॉप ऐप की जरूरत नहीं पड़ेगी। यूजर नए आइकन्स पर टैप करके ब्राउजर से ही वॉट्सऐप वॉइस और वीडियो कॉल कर सकेंगे।

इस फीचर के आने के बाद आप अपने क्रोम, सफारी, एज या किसी भी सपोर्टिंग ब्राउजर से वॉट्सऐप कॉल कर सकेंगे। नया फीचर यूजर्स के कॉलिंग एक्सपीरियंस को और इंप्रूव करेगा। यह कॉलिंग के लिए फोन या डेस्कटॉप

ऐप की जरूरत को खत्म करने का दम रखता है। वॉट्सऐप वेब क्लाइंट तेजी से यूजर्स के बीच पॉप्युलर हुआ है। वहीं, इसका रीडिजाइन्ड इंटरफेस भी यूजर्स को काफी पसंद आ रहा है।

ध्यान देने वाली बात यह है कि वॉट्सऐप वेब क्लाइंट्स के लिए अभी वॉइस और वीडियो कॉलिंग फीचर की डीटेलिंग पर काम कर रहा है। जल्द की इसे फाइनल किया जा सकता है। उम्मीद की जा रही है कि यह फीचर यूजर्स को मोबाइल या डेस्कटॉप ऐप से की जाने वाली कॉलिंग जैसा ही स्मूद एक्सपीरियंस देगा। बताते चलें कि कंपनी इस फीचर को अभी डिवेलप कर रही है। आने वाले अपडेट्स में इसे ग्लोबल यूजर्स के लिए रोलआउट किया जा सकता है।

इंस्पायरिंग: शुरुआती प्रेशर को झेल लिया, तो आगे का सफर आसान हो जाता है – के एल राहुल

नई दिल्ली, 29 अप्रैल।

मुझे याद है कि मैं डेब्यू टेस्ट मैच की पांचों रातों में ठीक से सो नहीं पाया। इसकी वजह थी कि मैं बहुत नर्वस था और मैदान में उतरने को बेताब। अंदर इतनी सारी भावनाएं उमड़ रही थीं। यहां तक कि भीड़ ने भी कुछ आसान नहीं किया। यही तो खेल की खूबसूरती है, खासकर जब आप विदेश में... और वो भी ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट मैच खेल रहे हों। वहां के दर्शक, जो खेल का हिस्सा भी नहीं होते, वे आपके लिए माहौल और मुश्किल बना देते हैं। अपने करियर की शुरुआत में ही दुनिया की सबसे मुश्किल जगह मानी जाने वाली ऑस्ट्रेलिया में दो टेस्ट मैच खेलना और वहां शतक बनाना मेरे लिए बड़ी बात थी। मैंने वहां से यह सीख ली कि कैसे शांत रहना है, दबाव को संभालना है। करियर की शुरुआत में ही ऐसा करना मेरे लिए फायदेमंद रहा है। जितनी जल्दी आप जीवन में दबाव सहना सीख जाएंगे, उतनी आसान आगे की राह होगी। वन–डे डेब्यू से पहले मुझे चोटें लगी थीं और मैं टीम से अंदर–बाहर होता रहा था। चोट से ठीक होकर लौटने के बाद मुझे अपने मौके का इंतजार करना पड़ा क्योंकि टीम में जगह नहीं थी। यह बात मुझे हर वक्त तैयार रखती थी। मेरे अंदर वो आग थी कि जब मौका मिलेगा, मैं अच्छा करूंगा। चोट से लौटने के बाद आप चाहते हैं लगातार अच्छा प्रदर्शन करें। मुझे नहीं लगता वो घबराहट पूरी तरह से जाती है। चाहे कितने मैच खेल लें, जब आप देश का प्रतिनिधित्व करने मैदान पर उतरते हैं तो वह ऊर्जा, वो घबराहट हमेशा रहती है। जितना आप खेलते हैं, उतना ही खेल समझते हैं। मैदान में उतरकर खुद को समय देना भी जरूरी है। वही समय आपको अपने खेल पर नियंत्रण पाने का मौका देता है। मैं जब मैदान में जाता हूं, खुद से कहता हूं कि खेल को अपनी गति से खेलूं, विपक्षी टीम की गति से नहीं। इसलिए मैदान

में उतरने के पहले 5 मिनट सिर्फ सोचने में लगाता हूं कि मुझे क्या करना है। थोड़ा समय लेकर खुद को मैच की स्थिति में ढालना जरूरी है, फिर धीरे–धीरे घबराहट कम होती है और आत्मविश्वास मिलता है कि आप टीम के लिए सही फैसला कर सकें। जीवन के हर इलाके में आत्मविश्वास पाने का यही तरीका है कि आप काम करते रहें। केवल सोचने से कुछ हासिल न होगा। हर खिलाड़ी की स्वाभाविक प्रगति होती है कि वह नंबर 3 या 4 से बढ़कर टीम का नंबर 1 बने।

उस जिम्मेदारी को लेना और खिलाड़ियों का नेतृत्व करना ऐसा है जिसे लेकर मैं हमेशा उत्साहित रहा। चीजों को जितना सरल रखें, उतना अच्छा। आलोचनाओं से कभी प्रभावित नहीं होना चाहिए खिलाड़ी के रूप में हमने यह सीखा है कि आलोचनाएं तो 'वाइट नॉइज' होती हैं और हमें उनसे प्रभावित नहीं होना चाहिए। जो लोग आपकी आलोचना कर रहे हैं, वे आपके लिए कुछ नहीं कर रहे। मैं जानता हूं कि अंत में मुझे उसी का फल मिलेगा, जो मेहनत मैंने खेल में लगाई है। मैंने यह सीख लिया है कि इस शोर को कैसे बंद किया जाए, लेकिन कभी–कभी यह परिवार पर असर डालता है और वो फिर हम पर असर करता है।